



सब्सक्रिप्शन के लिए खुला वाटरवेज लीजर टूरिज्म का आईपीओ, 25 जून तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी समुद्री क्रूज आपरेटर कंपनियों में से एक वाटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड का 585 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 25 जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 29 जून को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 30 जून को अलाटमेंट शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर एक जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 769 रुपये से लेकर 808 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय

किया गया है, जबकि लाट साइज 18 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लाट यानी 18 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,544 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,89,072 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट में 234 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 72,40,099 नए शेयर बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत हिस्सा

और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सेंट्रल ब्रोकिंग लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि एमयूजीएफ इन्टाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वाटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार उधार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 122.73 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा

हुआ था। हालांकि अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी 168.19 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाने में सफल रही। इसके बाद पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ घट कर 52.14 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्रॉफिट में उतार चढ़ाव के बावजूद बढ़ती हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 452.15 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 597.68 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके बाद अगले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की राजस्व प्रॉफिट घट कर 586.99 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

न्यूज ब्रीफ

आरेकल ने 21,000 नौकरियों घटाई, एआई को बताया मुख्य कारण



नई दिल्ली। दिग्गज टेक कंपनी आरेकल कार्प ने पिछले एक साल में अपने वैश्विक कार्यालयों में लगभग 21,000 कर्मचारियों की भारी कटौती की है। कंपनी ने अपनी वार्षिक नियामक फाइलिंग में इस घटना का मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीकों को अपनाना और उनके व्यापक उपयोग को बताया है। सोमवार को जारी फाइलिंग में आरेकल ने स्वीकार किया कि उसके परिचालन में एआई तकनीकों के बढ़ते एकीकरण ने कुछ पदों की आवश्यकता कम कर दी है, जिसका असर कर्मचारियों की संख्या पर पड़ा। 31 मई को समाप्त हुए वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी के वैश्विक पूर्णकालिक कर्मचारियों की संख्या घटकर 1.41 लाख रह गई, जो एक वर्ष पहले 1.62 लाख थी। इस बड़ी कटौती के चलते कंपनी को पुनर्गठन पर लगभग 1.8 अरब डॉलर (करीब 15,000 करोड़ रुपए) का महत्वपूर्ण खर्च उठाना पड़ा। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, ओपनएआई जैसे ग्राहकों के लिए महंगे एआई डेटा सेंटर विकसित करने से आरेकल पर वित्तीय दबाव बढ़ा है, जिसके कारण नकदी बचाने के प्रयासों के तहत भी इस वर्ष की शुरुआत में हजारों कर्मचारियों की छंटनी की गई थी, हालांकि तब वास्तविक संख्या का खुलासा नहीं किया गया था। आरेकल का कहना है कि एआई का प्रभाव भविष्य में भी कार्यालय पर पड़ सकता है।

रेड टेप को कैरी बैग चार्ज पड़ा भारी उपभोक्ता आयोग ने ठोका 8,000 का जुर्माना



रोहतक। हरियाणा के रोहतक स्थित उपभोक्ता आयोग ने जूते के प्रसिद्ध ब्रांड रेड टेप को एक कैरी बैग के लिए 10 रुपए वसूलने पर बड़ा झटका दिया है। आयोग ने इसे अनुचित व्यापार प्रथा मानते हुए कंपनी को ग्राहक से ली गई राशि वापस करने के साथ-साथ 8,000 रुपए का मुआवजा और मुकदमेबाजी लागत चुकाने का निर्देश दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब कई कंपनियां मनमाना ढंग से अतिरिक्त शुल्क वसूलती हैं, और यह ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण जीत है। मामला 1 अप्रैल, 2023 का है, जब एक ग्राहक ने रेड टेप के रोहतक आउटलेट से 2,069.70 रुपए में जूते खरीदे थे। बिल के साथ स्टोर ने कैरी बैग के लिए 10 रुपए अतिरिक्त वसूले। ग्राहक ने इस शुल्क का विरोध करते हुए बिना शुल्क के बैग उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, लेकिन कर्मचारियों ने कंपनी की नीति का हवाला देते हुए इनकार कर दिया। इसके बाद ग्राहक ने इसे कानूनी रूप से गलत मानते हुए उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटिया, जिसमें 10 रुपए की वापसी के साथ-साथ 50,000 का मुआवजा और 22,000 रुपए मुकदमेबाजी खर्च की मांग की गई। रेड टेप ने अपने बचाव में तर्क दिया कि यह शुल्क पर्यावरण को बढ़ावा देने और मुफ्त बैग के दुरुपयोग को कम करने के लिए लिया गया था।

नए अवतार में लौट आई है नई बजाज पल्सर 220 एफ



नई दिल्ली। सालों से भारतीयों के दिलों पर राज कर रही बजाज पल्सर एक बार फिर नए अवतार में लौट आई है। बलासिक पल्सर 220एफ को कंपनी ने नए फुल एलईडी हेडलाइट सेंटअप और एक बदले हुए फ्रंट लुक के साथ अपडेट किया है। जुलाई 2007 में पल्सर 220 डीटीएस-एफआई के तौर पर लान्च होने के बाद से इसका डिजाइन लगभग एक जैसा ही रहा था, लेकिन अब यह बदलाव बाइक लवर्स को निश्चित रूप से पसंद आएगा। 2026 अपडेटेड पल्सर 220एफ की एक्स-शोभक कीमत 1.36 लाख रुपये है, जो पिछले दिवस-शोभक 2025 में लान्च हुए माडल से लगभग 8,000 रुपये अधिक है। इस नए अपडेट में सबसे बड़ा बदलाव फुल एलईडी हेडलाइट्स हैं, जिसमें लो और हाई बीम को एक ही प्रोजेक्टर सेंटअप में मिला दिया गया है, जो बदले हुए वलस्टर के निचले हिस्से में लगा है। इसके डीआरएलएस अब आइड्रो जैसे एलईडी डिजाइन में आते हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च हुआ एडविट ज्वेल्स का आईपीओ, एक जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

रामभजो ब्रांड से ज्वेलरी का उत्पादन करने वाली कंपनी एडविट ज्वेल्स का 165.16 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 25 जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 29 जून को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 30 जून को अलाटमेंट शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर एक जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 130 रुपये से लेकर 138 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 100 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लाट यानी 100 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 13,800 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,200 रुपये के निवेश से अधिकतम 14 लाट में 1,400 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,19,68,000 नए शेयर बेचे जा रहे हैं।

इस दौरान कंपनी का राजस्व प्रॉफिट में लगातार बढ़ती हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 46.60 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 69.45 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 124.94 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 123.80 करोड़ का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 5.84 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 19.70 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 74.80 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक को बोझ 64.92 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी

हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 18.08 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़कर 32.80 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ 58.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 83.65 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी इस अवधि में बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 18.07 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 32.79 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 58.12 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 51.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (ऑनिंग बिफोर इंस्ट्रेट, टैक्स, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2022-23 में 12.77 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 18.95 करोड़ रुपये और 2024-25 में 37.15 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 36.68 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

एडविट ज्वेल्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 10.39 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 14.71 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 25.37 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष



2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 25.44 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था।

इस दौरान कंपनी का राजस्व प्रॉफिट में लगातार बढ़ती हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 46.60 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 69.45 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 124.94 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 123.80 करोड़ का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 5.84 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 19.70 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 74.80 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक को बोझ 64.92 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी

हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 18.08 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़कर 32.80 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ 58.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 83.65 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी इस अवधि में बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 18.07 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 32.79 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 58.12 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 51.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (ऑनिंग बिफोर इंस्ट्रेट, टैक्स, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2022-23 में 12.77 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 18.95 करोड़ रुपये और 2024-25 में 37.15 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 36.68 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

होंडा एक्टिवा ने मई में जूंपिटर और एक्ससेस को पछड़ा



नई दिल्ली। दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी होंडा एक्टिवा स्कूटर ने टीवीएस जूंपिटर और सुजुकी एक्ससेस जैसे अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। मई 2026 में होंडा एक्टिवा की कुल 2,28,955 यूनिट्स बिकीं। वहीं, टीवीएस जूंपिटर की 1,24,767 यूनिट्स और सुजुकी एक्ससेस की 75,729 यूनिट्स बिकीं। इन दोनों स्कूटर की कुल बिक्री 2,00,496 यूनिट्स रही, जो एक्टिवा की बिक्री से 28,459 यूनिट्स कम है। यह आंकड़ा एक्टिवा की जबरदस्त लोकप्रियता को दर्शाता है। एक्टिवा ने मई 2025 में बेची गई 1,90,713 यूनिट्स की तुलना में इस साल मई में 20.05 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज करते हुए 38,242 यूनिट्स अधिक बेचीं। टीवीएस जूंपिटर ने भी 27.83 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की, जबकि सुजुकी एक्ससेस की बिक्री में मामूली गिरावट देखी गई। सिर्फ पेट्रोल स्कूटर सेगमेंट ही नहीं, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में भी अपनी अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि दर्ज की है। मई 2026 में, कंपनी ने अपने इलेक्ट्रिक पोपुलैरिटी में शामिल एक्टिवा ई और वयूसी 1 ई-स्कूटर की कुल 520 यूनिट्स बेचीं। यह पहली बार है जब कंपनी ने 2025 की शुरुआत में इस सेगमेंट में प्रवेश करने के बाद एक महीने में 500 से अधिक ई-स्कूटर बेचे हैं।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउजान्स पर्यटर्स भी गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं, एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

अमेरिका में मेगाकैप टेक्नोलॉजी स्टॉक्स में गिरावट की वजह से वाल स्ट्रीट में पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार होता रहा। हालांकि आर्थिकी वक्त में हुई खरीदारी के सपोर्ट से डाउ



जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 148.01 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 51,712.71 के स्तर पर पहुंच गया। इसके विपरीत एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ

7,472.79 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डैक 351.33 अंक यानी 1.32 प्रतिशत टूट कर 26,166.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, डाउ

जान्स प्यूचर्स फिलहाल 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51,678.89 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,437.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएफएस इंडेक्स ने 153.87 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,139.69 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत सीएसई इंडेक्स 0.25 प्रतिशत लुढ़क कर 8,400.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आमतौर पर कमजोरी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में है। एशियाई बाजार के सूचकांकों में इकलौता स्ट्रेंस टाइम्स इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,213.53

अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफटी 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 24,095.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.34 प्रतिशत टूट कर 6,096.04 अंक के स्तर पर आ गया है। कोसपी इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 422.90 अंक यानी 4.64 प्रतिशत के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 548.92 अंक यानी 1.15 प्रतिशत लुढ़क कर 47,192.59 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा फिक्सेड इंडेक्स 758.96 अंक यानी 1.05 प्रतिशत लुढ़क कर 71,595 अंक के स्तर पर, हंगे सेंग इंडेक्स 243.52 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,525 अंक के स्तर पर, सेंट कंपोजिट इंडेक्स 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,561.89 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.37 प्रतिशत टूट कर 4,147.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सर्गाफा बाजार में चमका सोना, चांदी में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्गाफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। हालांकि चेन्नई में सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में आई तेजी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्गाफा बाजार में सोना 420 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 450 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। चांदी के भाव में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्गाफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,48,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,34,310 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये कमकीली धातु दिल्ली सर्गाफा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,46,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत



1,46,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,48,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,35,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। गोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्गाफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है।

रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्गाफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्गाफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है।